

जैकी रॉबिनसन



लेखन: सैली एम. वॉकर, चित्र: रॉडनी एस. पेट
भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

जैकी रॉबिनसन

बेसबॉल

बेसबॉल उत्तरी अमरीका में खेला जाने वाला एक खेल है। इसमें नौ-नौ खिलाड़ियों की दो टीमें होती हैं। पहली टीम का खिलाड़ी अपने बल्ले से दूसरी टीम के खिलाड़ी द्वारा फेंकी गई गेंद को मारता है और दूसरी टीम के खिलाड़ी गेंद को वापस करें उसके पहले बल्लेबाज़ मैदान में बने चार बेसों को दौड़ कर पार करने की कोशिश करते हैं।

लेखन: सैली एम. वॉकर

चित्र: रॉडनी एस. पेट

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

एलन "पी हैड" वॉकर के लिए जो परिवार के तीसरे बेसमैन थे

तथा

विलियम "ग्रेंडपा" इन्गो की स्मृति में जो कभी टाय कॉब के बैटबाँय रहे थे

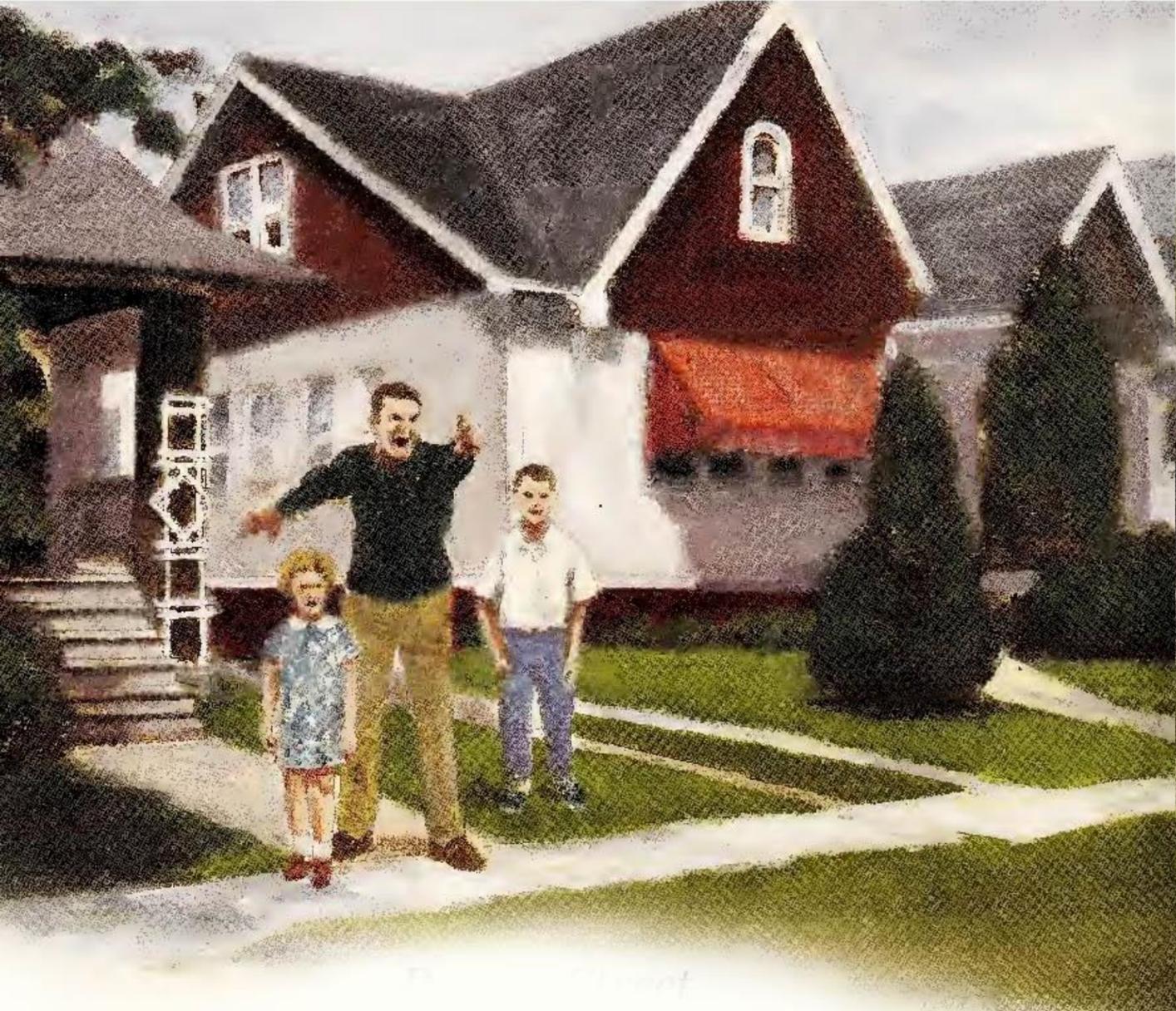
- एस. एम. डब्ल्यू.

मेरे भतीजे एंड्रू को - ईश्वर करे कि तुम भी उतने ही ताकतवर बनो जितना जैकी था,

जे. एफ. और बी. जी. को भी

- आर.एस.पी.





पैपर स्ट्रीट

पासाडीना, कैलिफोर्निया, 1927

फटाक!

आठ साल के जैकी रॉबिनसन के पैरों के पास,
ज़मीन पर एक पत्थर आ गिरा।

जैकी ने उसे उठाया और उसे पलट कर वापस फेंक
दिया।

सड़क पार जिस गोरे इन्सान ने उसे फेंका था,
वह आग-बबूला हो गया।

नाराज़ तो जैकी भी हुआ।

उस व्यक्ति की बेटी ने जैकी को गाली दी थी।

जैकी काले होने के कारण लोगों की इस तरह की
बदज़ुबानी से आजिज़ आ चुका था।

सो वह भी लड़की पर चिल्लाया था।

इसके बाद पत्थरबाज़ी शुरू हो गई थी।



मुहल्ले में अकेला काला परिवार होना आसान न था।
पैपर स्ट्रीट के गोरे लोग रॉबिनसन परिवार को अपनी
सड़क पर चाहते ही नहीं थे।

कुछ लोगों ने तो तब पुलिस तक बुला डाली थी, जब
जैकी और उसके भाई बाहर सड़क पर खेल रहे थे।

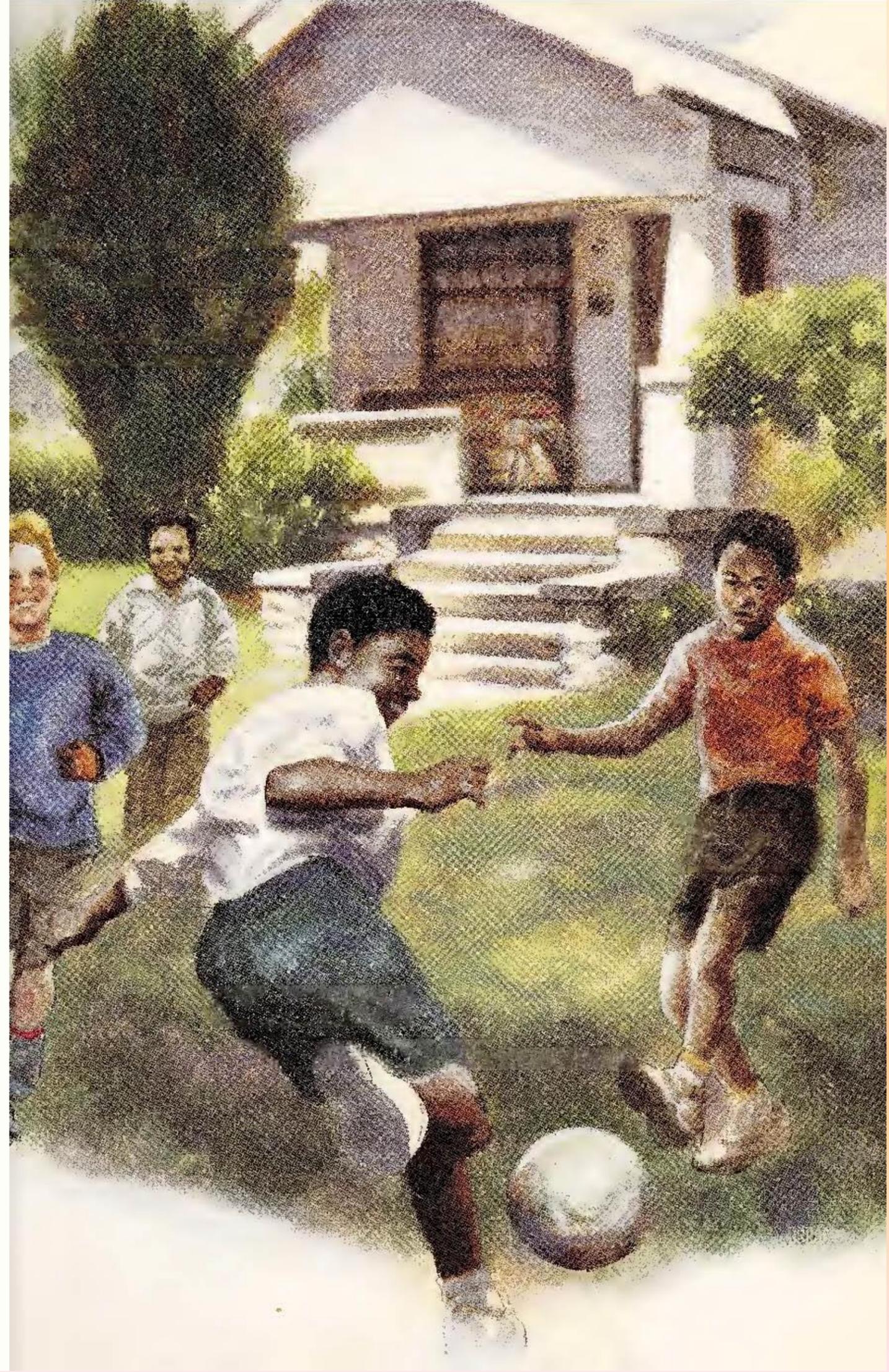
पर पैपर स्ट्रीट के बच्चे कम-से-कम खेलकूद के तो
शौकीन थे।

जब भी कोई खेल शुरू होता जैकी उसमें अपनी जगह
बना लेता। वह सॉकर, फुटबॉल, हैंडबॉल, बेसबॉल और
डॉजबॉल खेल लेता था।

और हर खेल अच्छे से खेल सकता था - बहुत ही
अच्छे से।

जैकी को जीतना पसन्द था,

और वह लगभग हमेशा जीतता भी था।





जैकी की माँ मैली, बच्चों को एक उम्दा सलीकेदार घर देने के लिए कड़ी मेहनत करती थी।

उसने अपने बच्चों को अपनी नस्ल पर फ़क्र करना सिखाया था। उसका मानना था कि आस-पड़ोस के लोग समय के साथ उसके परिवार को स्वीकार लेंगे।

पर उसके पहले उसके परिवार को उम्दा मिसाल पेश करनी होगी। रॉबिनसन परिवार बहुत पैसे वाला नहीं था।

पर जब भी मैली के पास कुछ खाना ज़्यादा होता, वह उसे पड़ोसियों के साथ बांटती थी।

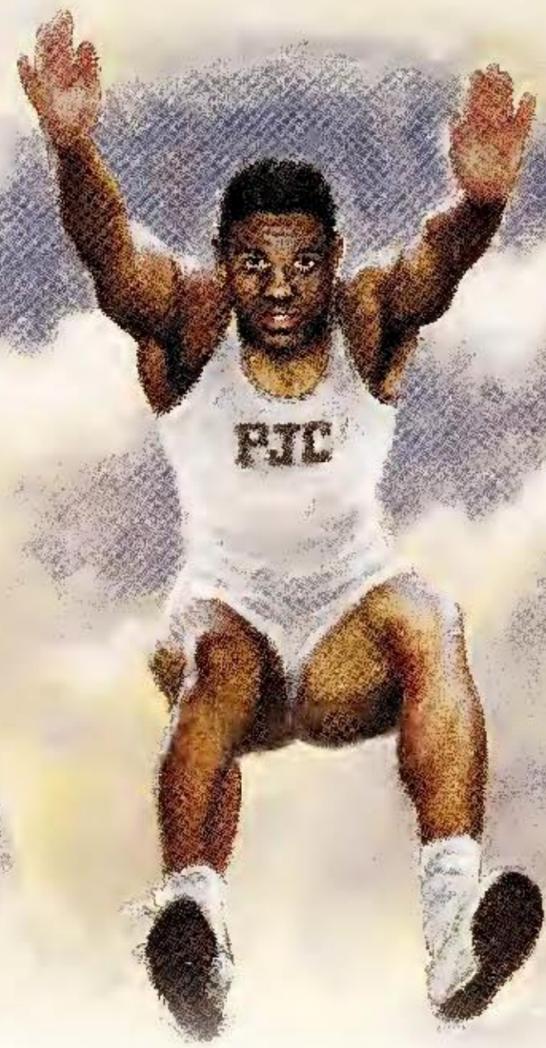
उस व्यक्ति तक के साथ जिसने जैकी पर पत्थर फेंका था।

वह जैकी और उसके भाइयों को कहती कि वे अपने पड़ोसियों की छोटे-मोटे कामों में मदद किया करें - मुफ्त में।

मैली की इस मुहिम में सालों लगे, पर आखिरकार वे सही सिद्ध हुईं।

उनके पड़ोसियों का रुख नरम पड़ा, वे पहले से ज़्यादा दोस्ताना बरताव करने लगे।

जैकी को अहसास हुआ कि जब लोग आपको जान लेते हैं, तो चमड़ी के रंग का भेद कम मायने रखता है।



जैसे-जैसे जैकी बड़ा हाता गया, वह खेल-कूद में बेहतर होता गया।

पासाडीना जूनियर कॉलेज की बास्केटबॉल टीम में वह सबसे ज़्यादा स्कोर करता था।

लम्बी छलांग में तो उसने अपने भाई तक का रिकार्ड तोड़ डाला था।

बेसबॉल के खेल में वह पलक झपकते बेस चुरा लेता था।

वह जो भी खेल खेलता उसका सितारा बन जाता।

उसके टीम के ज़्यादातर खिलाड़ी गोरे थे।

उनमें से कुछ को एक काले खिलाड़ी के साथ खेलना पसन्द नहीं था।

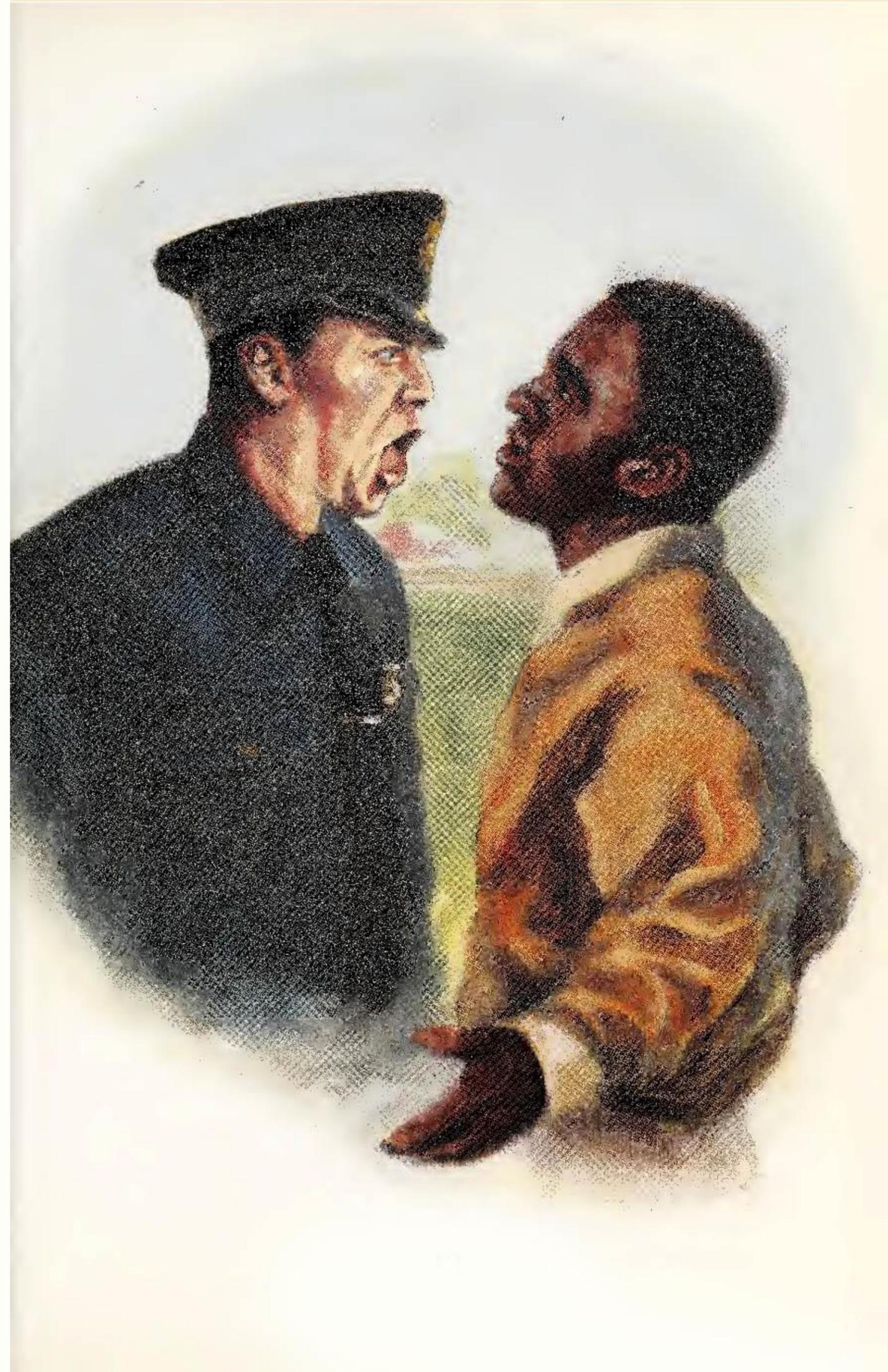
जैकी इसके बावजूद सबसे इज़ज़त के साथ पेश आता था।

समय के साथ उसकी टीम के साथियों ने ग़ौर किया कि वह इन्साफ़ी से और अच्छा खेलता था।

उसके ज़्यादातर साथी उसकी इज़ज़त करने लगे।



पर दूसरे शहरों की टीमों अलग तरह की थीं।
अक्सर उनके गोरे खिलाड़ी काले लोगों के बारे में बुरा-भला
कहते।
अपनी नस्ल की तौहीन जैकी को भड़का देती।
अमूमन वह और भी बेहतरीन खेलता।
पर कभी-कभार वह आपा खो, झगड़ पड़ता।
पासाडीना में भी खेल मैदान के बाहर नियम नाइन्साफी
भरे ही थे।
उदाहरण के बतौर, काले लोग शहर के तरण-ताल में केवल
मंगलवार को ही तैर सकते थे।
कुछ रेस्त्रां में कालों को सेवाएं ही नहीं दी जाती थीं।
जैकी को इस तरह की नाइन्साफी से नफ़रत थी।
कभी-कभार उसका क्रोध उसे मुसीबत में फंसा देता।
एक बार तो उसने एक गोरे पुलिस वाले से ही बहस कर ली,
नतीजतन उसे रात जेल में बितानी पड़ी।
कुछ लोग कहने लगे कि जैकी रॉबिनसन हंगामेबाज़ है।





तब कार्ल डाउन्स नामक एक शख्स जैकी ज़िन्दगी में आए।
वे मैली के चर्च के पादरी थे।
रैवरेंड डाउन्स ने जैकी से उसकी समस्याएं सुनी।
और जीवन के लक्ष्य तय करने में उसकी मदद की।



जैकी चर्च के कलबों से जुड़ा।
उसकी माँ मैली की ईश्वर में हमेशा से आस्था थी
जिसने उसे हमेशा ताकत दी थी।
जल्द ही यही ताकत जैकी को भी मिलने लगी।
इस ताकत ने उसे अपना आपा खो गुस्से से बिफरने
से पहले, सोचने में मदद की।

पासाडीना से जैकी लॉस एंजलीस में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय गया।

वहाँ उसकी मुलाकात रेचल आइसम से हुई, जिससे वह प्रेम करने लगा।

रेचल दोस्ताना और चतुर थी।

जैकी को यह बहुत पसन्द आया कि वह जैकी से सहमत न होने पर भी अपने खयाल किस खूबी से ज़ाहिर करती थी।

वे अक्सर मिलने लगे।

जैकी को दूसरे विश्व युद्ध में हिस्सा लेने जाना पड़ा।

उसने 1942 से 1944 तक अमरीकी सेना में सेवाएं दीं।

जब उसने सेना छोड़ी तो वह पक्की तौर यह नहीं जानता था कि भविष्य क्या लाएगा।

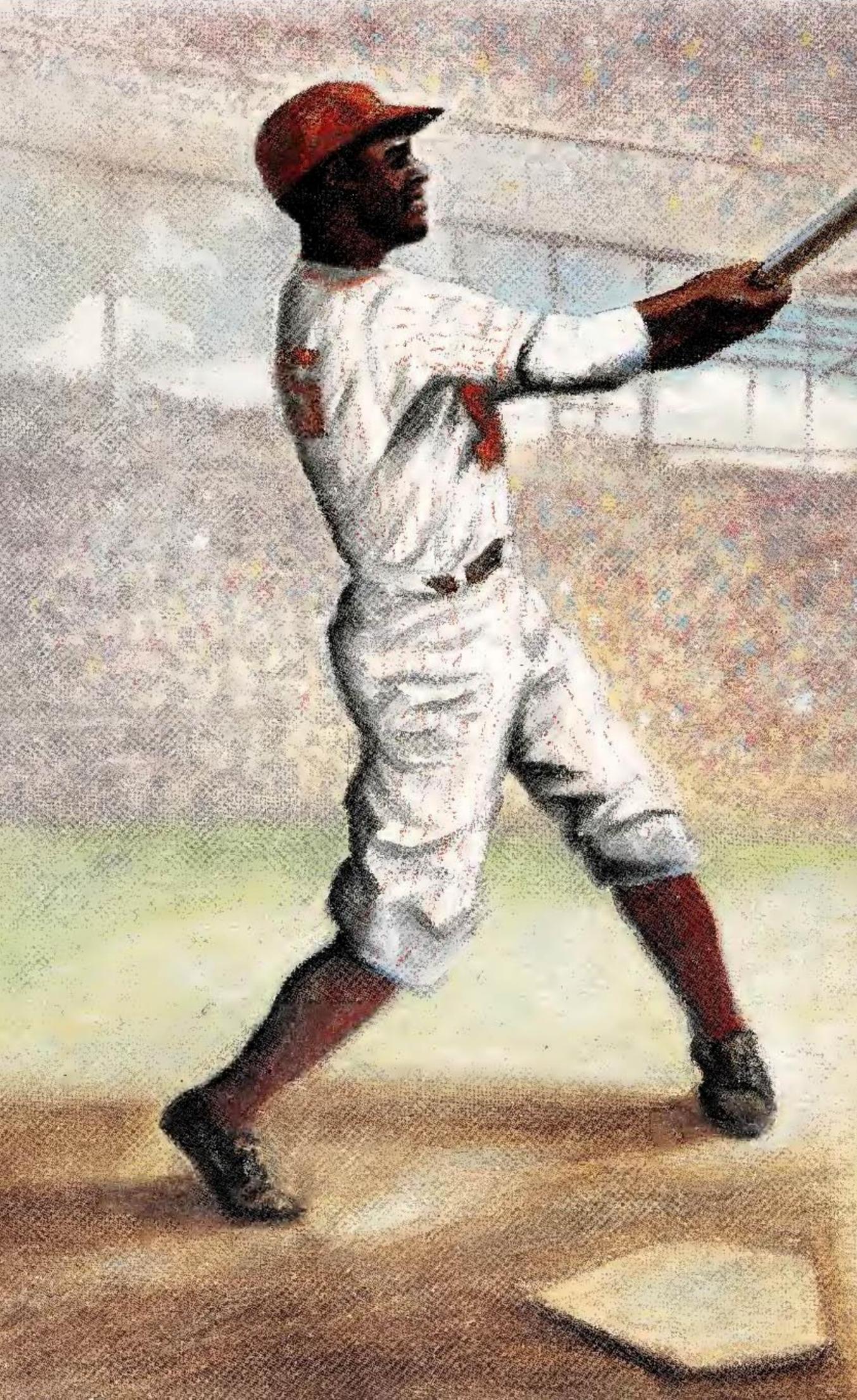
पर दो बातें उसके मन में साफ़ थीं।

पहली यह कि वह खेल-कूद के क्षेत्र में काम करना चाहता था।

और दूसरे, वह रेचल के साथ शादी करना चाहता था।

शायद उसे ऐसा कोई रास्ता सूझे जहाँ वह यह दोनों कर सके।





बेसबाल का सितारा

कैनसास सिटी

जैकी ने पिचर (गेंदबाज़) को गेंद फेंकते देखा।
वह फिरकी गेंद तन्नाती हुई होम प्लेट (जहाँ
बल्लेबाज़ खड़ा होता है) की ओर बढ़ी।

कुछ हिटर्स (बल्लेबाज़ों) को वह गेंद चकमा दे
सकती थी, पर जैकी रॉबिनसन को नहीं।

कड़क!

गेंद उछली और सीधे आउट फील्ड में जा
पहुँची।

यह बेस हिट था।

26 वर्ष की उम्र में जैकी को ऐसा काम मिल गया था, जो उसे अपने मनपसन्द खेल को खेलने देता था।

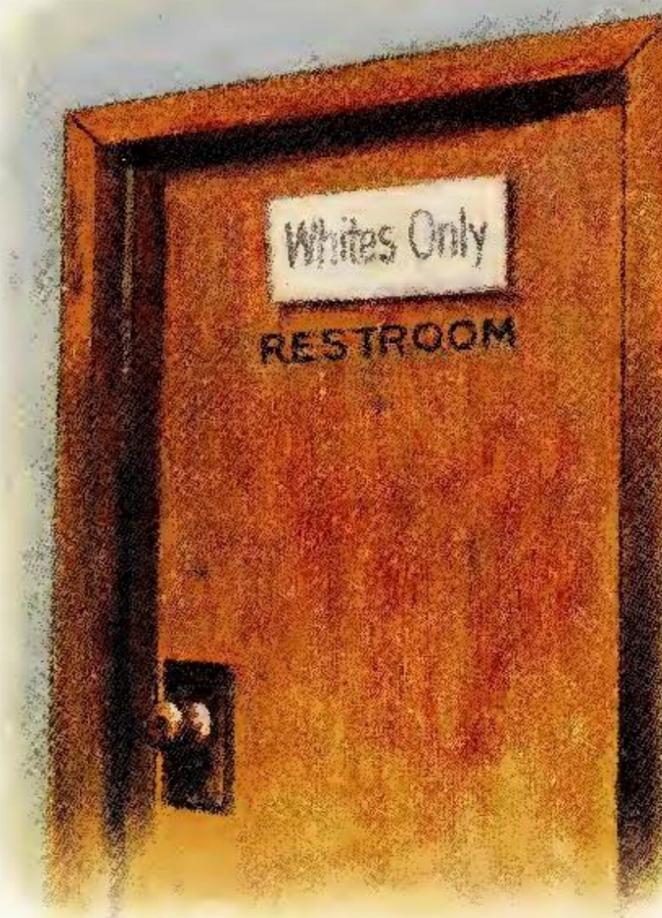
वह कैनसास सिटी मोनार्कस् से जुड़ा, जो नीग्रो अमेरिकन लीग की एक टीम थी।

1884 से काले खिलाड़ियों को मेजर लीग बेसबॉल (अमरीका और कनाडा के सबसे बेहतरीन प्रोफेशनल बेसबॉल खिलाड़ियों की स्पर्धा, जिसमें 30 सदस्य टीम हैं) में खेलने ही नहीं दिया जाता था।

मतलब यह कि काले खिलाड़ी केवल नीग्रो लीग में ही खेल सकते थे।

मोनार्कस् में कई असाधारण प्रतिभा वाले खिलाड़ी थे।

जैकी उनसे जितना सीख सकता था, उसने सीखा।



The Negro leagues were far from perfect.

नीग्रो लीग में सुविधाएं अच्छी नहीं थीं।

प्रतियोगिताओं के लिए बस से सफ़र करना आसान न था।

गोरे होटल मालिक उनको कमरे किराए पर नहीं देते थे।

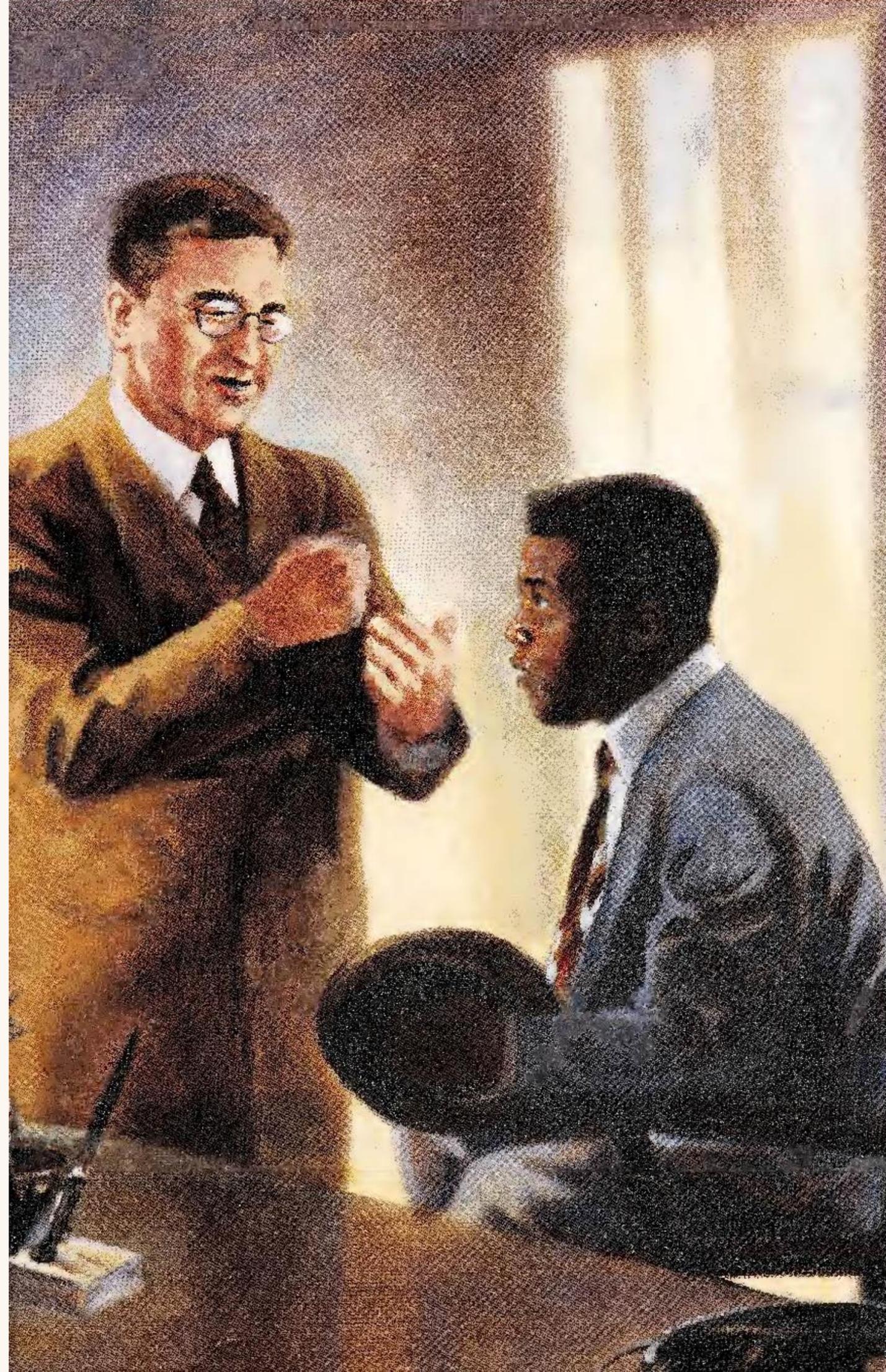
उन्हें रात को बस में ही सोना पड़ता था।

और गैस स्टेशन के मालिक उन्हें पेशाबघर तक का इस्तेमाल नहीं करने देते थे।

इस ज़ाहिर भेदभाव से जैकी का गुस्सा लौट आया।

कभी तो वह बेसबॉल छोड़ने तक की बात सोचने लगा।

तब उसके साथ कुछ ऐसा घटा जिसने उसे हैरान कर दिया।
अगस्त 1945 में ब्रांच रिकी ने जैकी को मिलने को बुलाया।
रिकी न्यू यॉर्क की मशहूर टीम ब्रुकलिन डॉजर्स के अध्यक्ष थे।
सभी मेजर लीग टीमों की तरह डॉजर्स के सभी खिलाड़ी गोरे थे।
फिर रिकी, जैकी से क्यों मिलना चाहते थे?
बहरहाल, दोनों न्यू यॉर्क में खुफिया तरीके से मिले।
रिकी ने जैकी के सामने एक सन्न कर देने वाला प्रस्ताव रखा।
वे चाहते थे कि जैकी कनाडा की टीम मॉन्ट्रियाल रॉयल्स के लिए
खेले।
रॉयल्स दरअसल डॉजर्स की प्रशिक्षण टीम थी।
रिकी ने कहा कि अगर जैकी वहाँ ठीक से खेल सकेगा तो उसे
डॉजर्स में शामिल कर लिया जाएगा।
जैकी अवाक् हो गया। कुछ कह ही नहीं सका!
क्या यह संभव था कि वह भी मेजर लीग बेसबॉल खेल सकेगा?



ब्रांच रिकी को जैकी से कुछ और भी कहना था।

उन्होंने कहा कि जैकी जो कुछ करेगा और कहेगा, लोग उसके आधार पर सभी काले खिलाड़ियों को नापे-तोलेंगे और उनके बारे में राय बनाएंगे।

सो जैकी की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपने गुस्से पर कितनी अच्छी तरह काबू रख पाएगा।

कुछ लोग बेहद क्रूर होते हैं।

वे जानबूझ कर जैकी को चीखने-चिल्लाने, लड़ने-झगड़ने को उकसाएंगे।

पर रिकी को ऐसा खिलाड़ी चाहिए था जिसमें इतना माददा हो कि वह पलट कर प्रतिक्रिया न करे।

रिकी का इससे जो मतलब था, उसका प्रदर्शन कर उन्होंने जैकी को समझाया।

रिकी ने एक ऐसे गोरे खिलाड़ी होने का ढोंग किया जो कालों से नफ़रत करता हो।

उन्होंने जैकी को, उसकी नस्ल को, उसके परिवार को, गालियाँ दीं, खूब अपमान किया।

यह सब सुनना बेहद मुश्किल था।

पर जैकी ने अपना मुँह बन्द रखा।

तब जैकी ने रिकी से वादा किया कि वे जो चाहते हैं, जैकी वह करेगा।



दूसरे चाहे जो करें,

जैकी न चिल्लाएगा, न झगड़ा शुरू करेगा।

दोनों ने राजीनामा के तौर पर हाथ मिलाए।

जैकी रॉबिनसन मॉन्ट्रियाल जा रहा था।

जैकी को अपनी नई जिन्दगी अकेले नहीं शुरू करनी पड़ी।

1946 की फरवरी में जैकी ने रेचल से ब्याह रचाया।

पर जैकी को अपने गुस्से को काबू में रखने के वादे की परीक्षा जल्दी ही देनी पड़ी।

बसन्त में होने वाले प्रशिक्षण के लिए फ्लोरिडा का जहाज़ पकड़ने के समय जैकी और रेचल को उनकी सीटें देने से इन्कार कर दिया गया।

उनकी सीटें गोरों को चाहिए थीं।

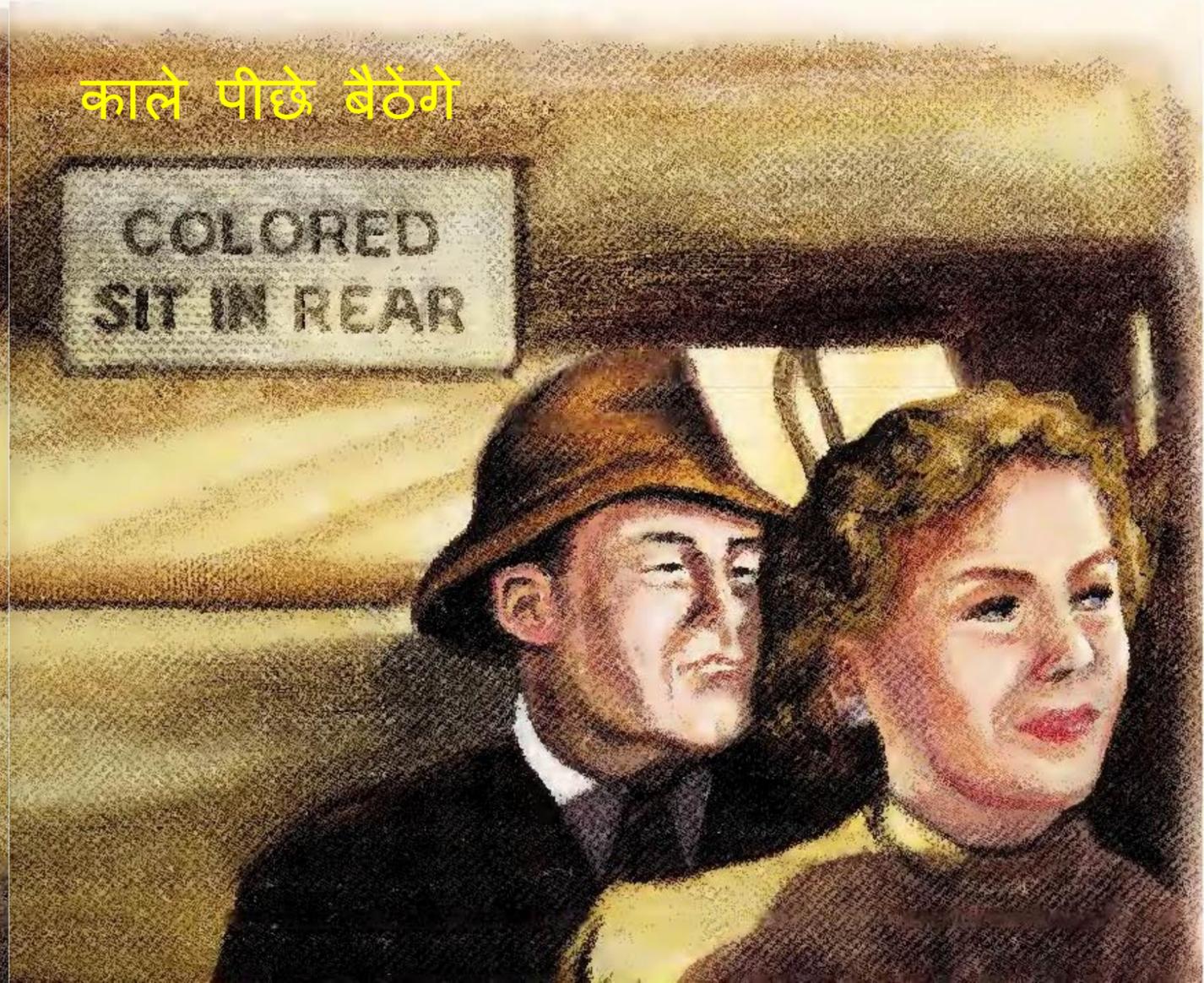
तब रॉबिनसन दम्पति को कालों को ठहराने वाला होटल नहीं मिला।

अपना सफ़र पूरा करने जब वे बस में बैठे, तो उन्हें ठेठ पिछवाड़े बैठाया गया।

जैकी अन्दर से आग-बबूला हो रहा था, पर उसे अपना वादा याद आया।

उसने अपने क्रोध को भरसक छिपाया।

वह जानता था कि यह सफ़र तो शुरुआत भर था।





रॉयल प्रतिभा

डार्सी सिटी, न्यू जर्सी, 1946

उद्घाटन दिवस!

जैकी का दिल तेज़ी से धड़क रहा था।

ऐसा लग रहा था कि उसके पेट को अपने नाखूनों से खरोंचते जुगनू उछल-कूद मचा रहे हों।

रुज़वैल्ट स्टेडियम में जमा भीड़ पूरे जोश में थी।

सैकण्ड बेस पर एक काला खिलाड़ी क्या करेगा यह वे देखना चाहते थे।

जैकी ने उन्हें दिखा दिया।

दूसरी बार बल्लेबाज़ी करते समय उसने गेंद को सीधे बाएं फील्ड में पहुँचा दिया।

उसने तीन रन स्कोर कर लिए (दो बेस रनरों के और एक होम रन, जिसमें बल्लेबाज़ खुद पूरे घेरे का चक्कर लगा लेता है)।

खेल खत्म होने तक जैकी चार हिट और चार रन बना चुका था।

रॉयल्स ने जर्सी सिटी की टीम को 14-1 से हरा दिया।

जैकी के दमदार खेल ने उसे मॉन्ट्रियाल के प्रशंसकों का चहेता खिलाड़ी बना दिया।

कनाडा में ज्यादातर लोगों को उसके चमड़ी के रंग की परवाह न थी।

उन्हें तो उसके खेलने का तरीका पसन्द आ रहा था।

पर अमरीका में खेलना इतना सहज नहीं था।

सैकड़ों काले प्रशंसक जैकी को प्रोत्साहित करते।

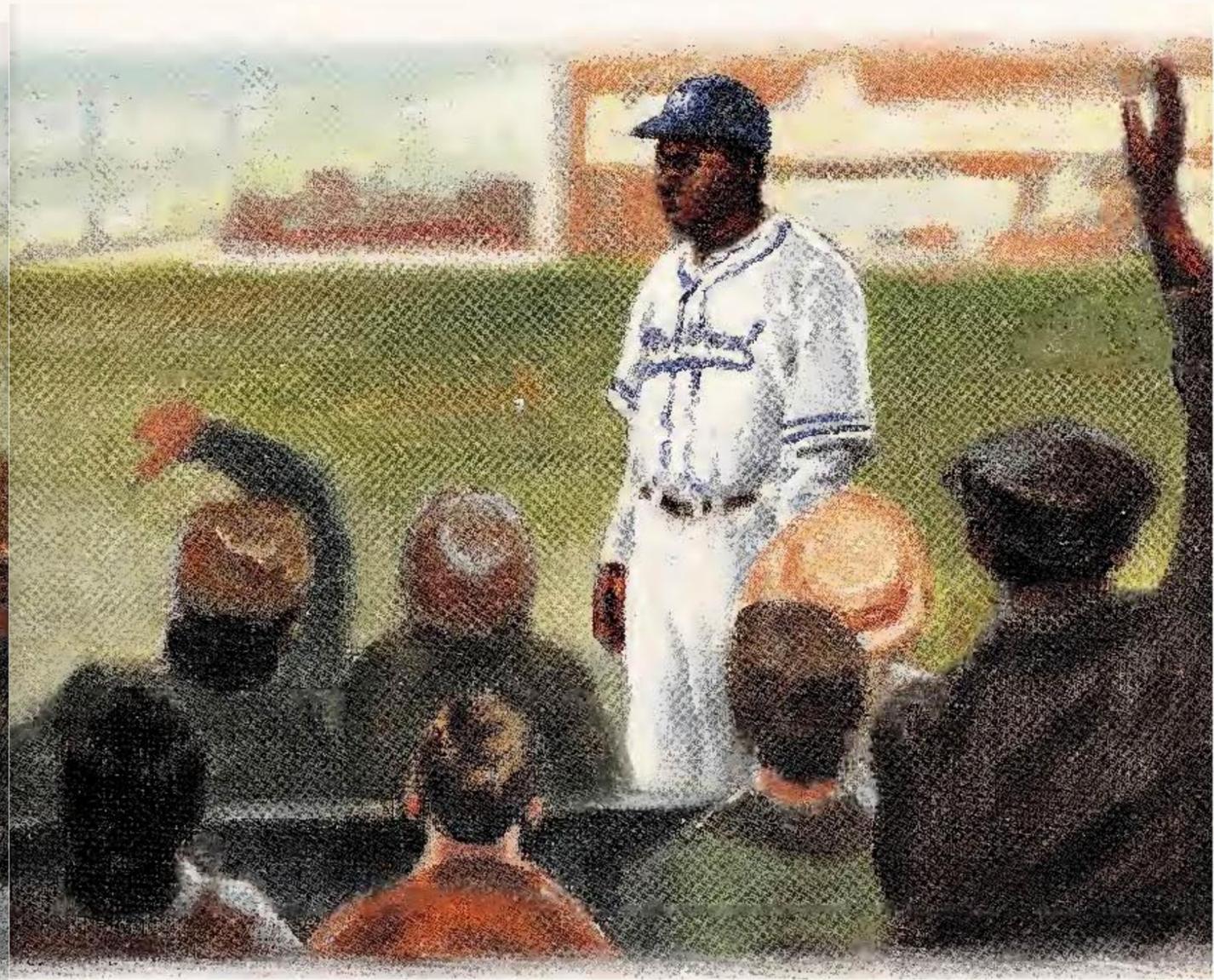
कई गोर प्रशंसक भी।

पर अन्य गोर दर्शक भद्दी गालियाँ बकते।

दूसरी टीमों के खिलाड़ी तानाकशी करते।

कई पिचर जानबूझ कर गेंद उसीको निशाना बना फेंकते।

जैकी को यह सब चुपचाप सुनना-झेलना पड़ता।





पहला सीज़न आसान न था।

पर वह खत्म हुआ तब तक जैकी अपनी छाप छोड़ चुका था।

उसने 66 बॉल सीधी रेखा में मारे थे और उसका स्कोर 113 था। उसने 40 बार बेस चुराए थे।

वह उस साल का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज़ रहा था।

रॉयल्स ने 1946 में लिटिल वर्ल्ड-सिरीज़ जीत ली।

और जैकी ने एक बार भी गुस्से पर अपना काबू नहीं खोया।

जैकी खुश था कि वह अच्छा खेल सका था।

नवम्बर में वह और भी खुश हो गया।

रेचल ने उनके बेटे को जन्म दिया।

जैकी को उम्मीद थी कि जैकी जूनियर भी उसे मेजर-लीग खेलते देखेगा।



मेजर लीग

ब्रुकलिन, न्यू यॉर्क, 11 अप्रैल 1947

जैकी ने भीड़ को देखा।

उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था,

कि वह सचमें ब्रुकलिन डॉजर्स की टीम में शामिल हो चुका है।

उसकी जर्सी का नम्बर था 42, और वह पहले बेस पर खेल रहा था।

सीज़न-पूर्व के इस खेल में डॉजर्स, न्यू यॉर्क यैंकीस् के खिलाफ खेल रहे थे।

जैकी ने अपने दस्ताने में मुट्ठी जमाई और आगे को झुका।

अगर बॉल उसकी ओर आती, तो वह तैयार था।





जैकी इस खेल में कोई हिट तो नहीं लगा सका।
पर वह तीन रन पूरे कर सका।
खेल जीतना तो आसान था,
पर अपनी नई टीम के साथियों का भरोसा जीत पाना नहीं।
कुछ खिलाड़ी उस पर भद्दी टिप्पणियाँ करते।
पर बाकी ने अपने दिमाग खुले रखे।

एडी स्टैंकर और पी वी रीस मददगार रहे।
उन्होंने जैकी को कई सुझाव दिए कि वह पहले बेस पर
अपने कौशलों को कैसे सुधारे।
जैकी ने अभ्यास के दौरान कड़ी मेहनत की।
वह अपनी नई टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने को
आमादा था।

सीज़न, 15 अप्रैल को शरु हुआ।

इसके पहले ही जैकी को नफ़रत से भरे खत मिले।

खतों में कहा गया था कि अगर वह खेलना जारी रखेगा तो उसे अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा, या उसके परिवार को नुकसान पहुँचाया जाएगा।

खेल मैदान में भी उसे ज़लालत का सामना करना पड़ा।

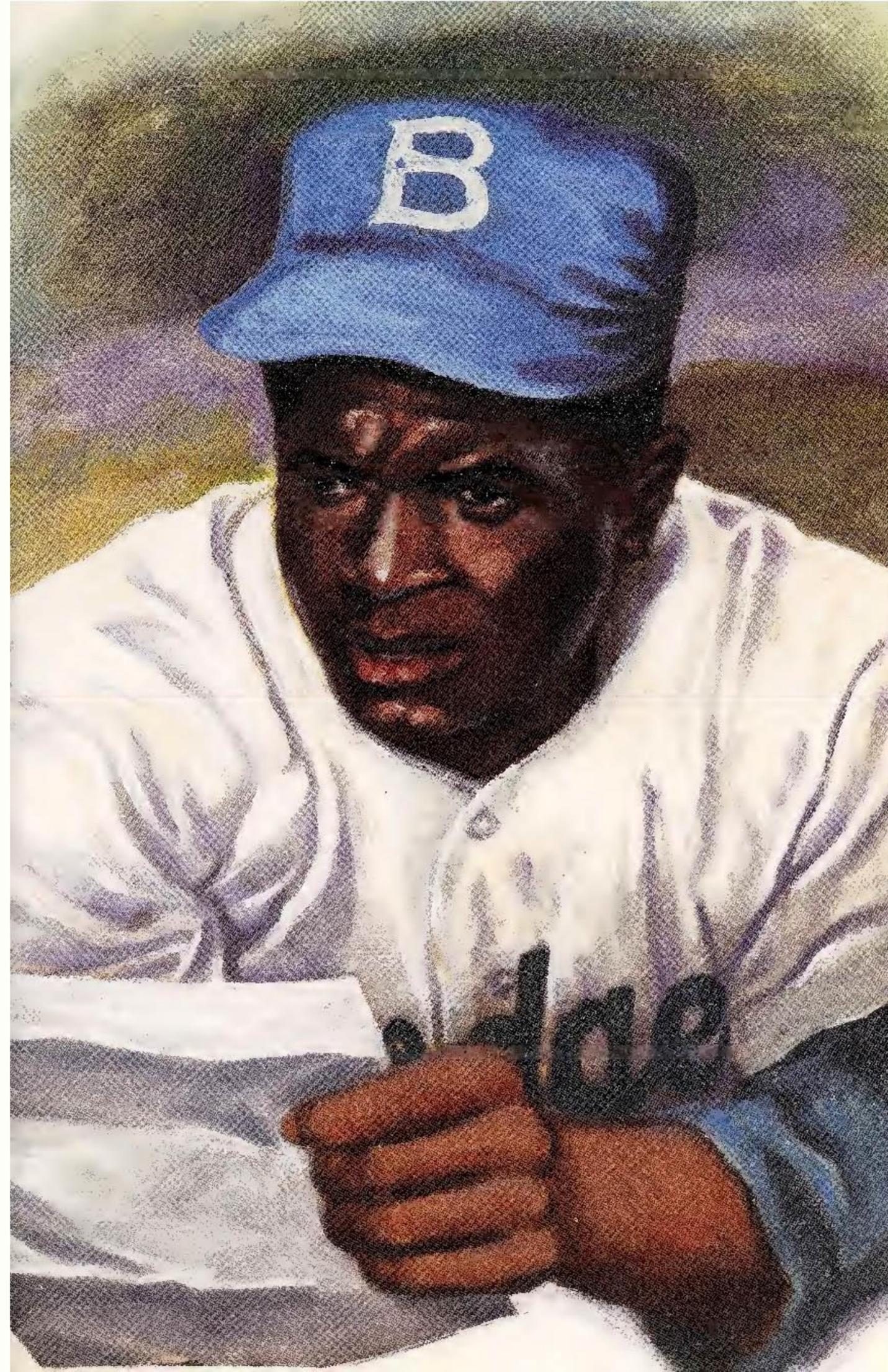
उसने अपनी माँ की पैपर स्ट्रीट में दी गई सीख याद रखने की कोशिश की।

लोगों को किसी भी तरह के बदलाव का आदी होने में समय लगता है।

जैकी ने रिकी को किया गया अपना वादा निभाया।

वह पलट कर लड़ा-झगड़ा नहीं।

उसने यह तक नहीं ज़ाहिर होने दिया कि उसे अन्दर से कितना बुरा महसूस हो रहा है।



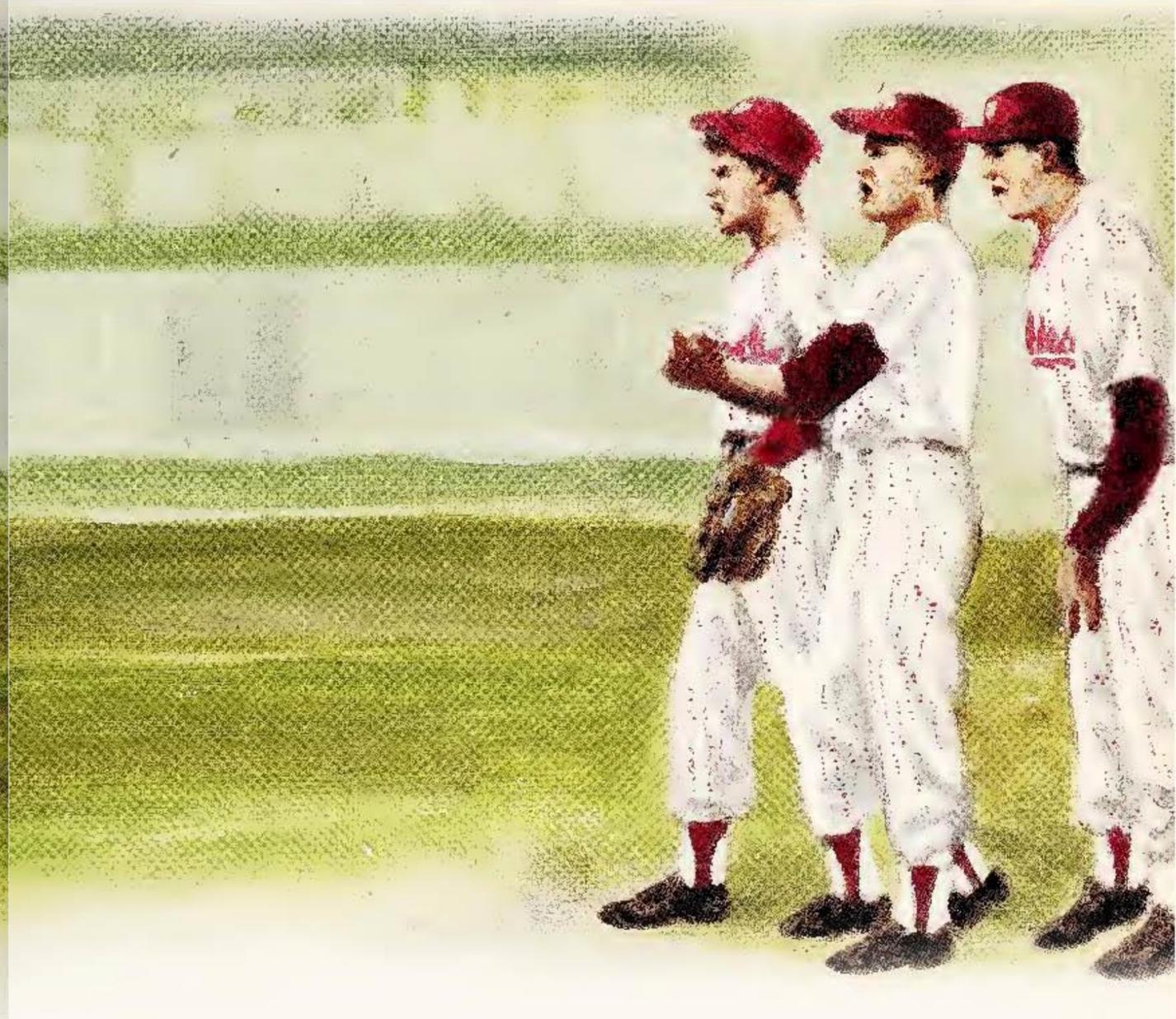


22 अप्रैल को डॉजर्स ने फिलैडैल्फिया फिलीस् का मुकाबला किया।

फिलिस् खिलाड़ियों की गालियाँ अब तक की सबसे खराब थीं।

जैकी को लगा कि वह फट ही पड़ेगा।

तब उसके टीम का साथी, एडी स्टैंकी पलट कर चिल्लाया।



“ओ कमजोर दिल वाले कायरों, सुनो,” वह चीखा।

“तुम किसी ऐसे पर क्यों नहीं हमला करते जो पलट कर जवाब दे सके?”

जैकी को अहसास हुआ का वह अकेला नहीं है।

उसने अपने दाँत भींचे और डटा रहा।

धीमे-धीमे उसकी नई टीम के साथी उससे वाकिफ़ हुए।

जब वह अपनी टीम में सहज महसूस करने लगा,

खेल मैदान में उसका खेल भी आग उगलने लगा।

उसका बल्ला बेस हिट ठोकता।

वह बेस पर बेस चुराता, होम प्लेट भी।

प्रशंसक उसके दम-खम पर फ़िदा होते गए।

जैकी का रुकी (पहली बार खेलने वाला नौसिखिया) सीज़न कमाल का रहा।

नैशनल लीग में वह बेस चुराने में अक्वल स्थान पर रहा।

उसने 125 रन बनाए।

स्पोर्टिंग न्यूज़ पत्रिका ने उसे 1947 का 'रुकी ऑफ़ द ईयर' (साल का सर्वश्रेष्ठ नया खिलाड़ी) घोषित किया।

अब कोई यह नहीं कह सकता था कि काले खिलाड़ियों में मेजर लीग बेसबॉल खेलने के लियाकत ही नहीं है।



अगले साल अगस्त में जैकी ने आखिरकार अपना आपा खोया।

पर इस बार बात गाल-गलौज और अपमान की नहीं थी।

दरअसल अम्पायर ने डॉजर्स के एक खिलाड़ी को खेल से निकाल दिया।

जैकी इस नाइन्साफी से नाराज़ हो गया।

वह चिल्लाता हुआ डगआउट से (जहाँ टीम के बाकी खिलाड़ी, कोच आदि बैठते हैं) चिल्लाता हुआ निकला।

अम्पायर ने उसे भी खेल से निकाल दिया।

पर जैकी को समझ में आया कि अम्पायर ने ऐसा इसलिए नहीं किया था कि वह काला है।

दरअसल अम्पायर पर चिल्लना नियम के खिलाफ़ है।

अम्पायर ने उसके साथ ऐसा बरताव किया जैसा वह किसी भी दूसरे खिलाड़ी के साथ करता।

जैकी पहले जो कुछ झेल चुका था उसकी तुलना लगा, उसे अम्पायर का यह कदम ठीक लगा।

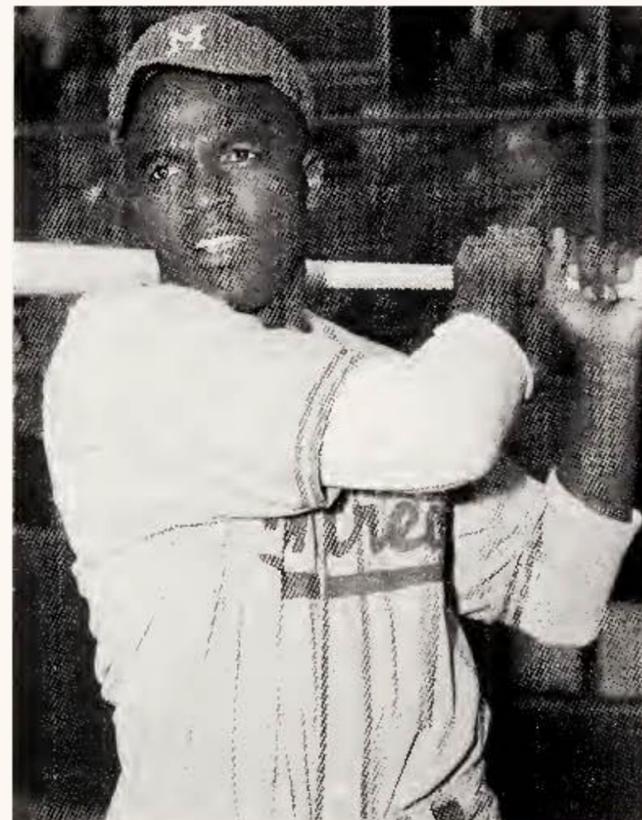
बल्की बेहतर, क्योंकि यह नाइन्साफी नहीं थी, नियम का पालन था।



जैकी जानता था कि बेसबॉल में उसका कठिन समय खत्म नहीं हुआ था

सभी खिलाड़ियों के साथ इन्साफ से पेश आने में अमरीकी खेलों को अभी भी एक लम्बा रास्ता तय करना है।

पर जैकी और जिन लोगों ने जैकी की मदद की, उनकी बदौलत, वे दिन तो खत्म हो चुके थे जब चमड़ी का रंग खेलने के कौशल से ज़्यादा मायने रखता था।



उपसंहार

जैकी ने ब्रुकलिन डॉजर्स के लिए दस सालों तक खेला, अधिकतर सैकण्ड बेस पर। कई अन्य साहसी खिलाड़ियों ने भी बेसबॉल को सभी नस्लों के खिलाड़ियों के लिए खोलने की जद्दोजहद में भागीदारी की। उनमें लैरी डोबी, रॉय कैम्पनैला, सैचल पेज शामिल हैं।

डॉजर खिलाड़ी के रूप में जैकी के सम्मानों में, 1949 में नैशनल लीग का बेशकीमती खिलाड़ी घोषित किया जाना शामिल था। बेसबॉल छोड़ने के बाद जैकी ने व्यापार किया और नागरिक अधिकार आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। 1962 में वे पहले अफ्रीकी-अमरीकी बने जिसे बेसबॉल हॉल ऑफ फेम में स्थान दिया गया।

जैकी रॉबिनसन की मृत्यु 53 वर्ष की उम्र में 1972 में हुई। 1975 में जाकर फ्रैंक रॉबिनसन को, जो काले थे, क्लीवलैण्ड इन्डियन्स, एक मेजर लीग टीम, का मैनेजर बनाया गया। अमरीका में आज भी जीवन के कई क्षेत्रों के लोग खेल-कूद में सभी खिलाड़ियों के साथ समान बरताव के लिए काम कर रहे हैं।



महत्वपूर्ण तिथियाँ

- 1919 - 31** जनवरी को कायरो, जॉर्जिया में जैक रुज़वैल्ट रॉबिनसन का जन्म
- 1920** - जैकी का परिवार पासाडीना, कैलिफोर्निया चला आया
- 1937** - पासाडीना जूनियर कॉलेज में जाना शुरू किया
- 1939** - लॉस एंजलीस के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में प्रवेश
- 1942** - सेना में भर्ती; 1944 तक सेना में सेवाएं दीं
- 1945** - कैनसास सिटी मोनार्कस् के लिए खेलना शुरू किया;
ब्रांच रिकी से मिले; मॉन्ट्रियाल रॉयल्स से जुड़े
- 1946** - रेचल आइसम से विवाह; मॉन्ट्रियाल रॉयल्स के लिए खेले;
बेटे जैकी जूनियर का जन्म, जो उनके तीन बच्चों में पहले थे
- 1947** - ब्रुकलिन डॉजर्स के लिए, 1884 के बाद मेजर लीग के पहले
काले खिलाड़ी के रूप में खेलना शुरू किया
- 1949** - उन्हें मेजर लीग को बेशकीमती खिलाड़ी घोषित किया गया
- 1957** - बेसबॉल से सेवा-निवृत्त
- 1962** - बेसबॉल के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया
- 1972** - डॉजर्स ने उनकी जर्सी के नम्बर 42 को रिटायर कर दिया, यानी उस टीम का
कोई भी खिलाड़ी भविष्य में इस संख्या को पहन नहीं सकेगा; 24 अक्टूबर स्टैमफर्ड,
कैनेटिकट में रॉबिनसन की मृत्यु
- 1984** - राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने उन्हें प्रेशिडैन्शियल मेडल ऑफ फ्रीडम से नवाज़ा,
जो किसी गैर-सैन्य उपलब्धि के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है
- 1997 - सभी मेजर लीग बेसबॉल टीमों ने जर्सी संख्या 42 नम्बर को रिटायर कर दिया

जैकी रॉबिनसन पलक झपकते ही बेस चुरा लेते थे। पर 1940 के दशक में मेजर लीग बेसबॉल सिर्फ गोरों का खेल था - और जैकी अफ्रीकी-अमरीकी थे। तब उन्हें एक दिन ज़िन्दगी का सबसे बड़ा मौका मिला। यह उस इन्सान की कहानी है जिसने नस्लवाद को झेलने का साहस किया और यों मेजर लीग बेसबॉल का पहला अफ्रीकी-अमरीकी खिलाड़ी बना।